Popular Front of India

G-78,2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindikunj, Noida Road New Delhi- 110025
website: www.popularfrontindia.org email:popularfrontmail@gmail.com Tel: 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
12 जून 2017

नोटबंदी एक भ्रामक और बेनतीजा निर्णयः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की नेशनल सेक्रेटेरिएट की बैठक ने नोटबंदी को एक भ्रम करार देते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके विनाशकारी प्रभाव पड़े हैं। फैसले के सात महीने बाद भी सरकार इस बात के कोई सुबूत पेश नहीं कर पाई है कि वह अपने दावों में कहाँ तक सफल हो पाई है। नोटबंदी के सिलसिले में दावा किया गया था कि इससे काला धन वापस आएगा, नकली नोटों पर रोक लगेगी और आतंकवाद की फण्डिंग बंद हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद कुछ महीनों में ही बाज़ार में मौजूद 90 प्रतिशत पैसा बिना किसी परेशानी के बैंकों में जमा कर दिया गया, जबकि आम आदमी आज भी सुबह से शाम तक बैंकों के सामने लाईन लगाए खड़े रहने पर मजबूर है। हालांकि सरकार अभी तक कोई रिपोर्ट पेश नहीं कर पाई है कि वह काले धन और नकली नोट के मामले को किस हद तक हल कर पाई है। आँकड़े बताते हैं कि नोटबंदी ने गरीब और मध्यम वर्ग को बुरी तरह प्रभावित किया है। नोटबंदी के बाद के महीनों में भारत के छोटे कारोबारों में भारी गिरावट आई है। हज़ारों की संख्या में गरीब जनता इसी नोटबंदी की वजह से बेरोज़गार हो गई है। सरकार झूटे दावों की आड़ में अर्थव्यवस्था पर पड़े इसके प्रभावों को छुपाने की कोशिश कर रही है।

केंद्रीय संख्यिकीय संगठन (सी.एस.ओ) की हाल की रिपोर्ट के मुताबिक जी.डी.पी, जिससे किसी देश के आर्थिक विकास का पता चलता है, 2016–17 के वित्तीय वर्ष की चौथी और आखरी तिमाही में 6.1 प्रतिशत तक गया, जो तीसरी तिमाही के 7.1 प्रतिशत से नीचे चला गया। इसके अलावा मौजूदा वित्तीय वर्ष में भारत की जी.डी.पी पिछले वर्ष (2015–16) के मुकाबले कम रही। वहीं यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि विकास दर के इन आँकड़ों की संख्याओं से छेड़खानी की गई है।

बैठक ने किसानों की दुर्दशा से सरकार के लापरवाही बरतने पर सख्त नाराज़गी जताई है। एक तरफ जहाँ कर्ज़ अदा न कर पाने की सूरत में हज़ारों की संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं, वहाँ अमीर से अमीर कॉर्पोरेट घरानों को बैंकों और सरकारी एजेंसियों की ओर से माली छूट और मदद दी जा रही है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे भाजपा शासित राज्यों में किसानों के लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन को बहुत ज़्यादा क्रूरता से रोकने की कोशिश की जा रही है। बैठक में किसानों के मकसद और उनके प्रदर्शन के समर्थन की बात कही गई।

चेयरमैन ई. अबूबकर ने बैठक की अध्यक्षता की। वाईस चेयरमैन ओ.एम.ए. सलाम, महासचिव एम. मुहम्मद अली जिन्ना, राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद के सदस्य ई.एम. अब्दुर्रहमान, अब्दुलवाहिद सेठ तथा के.एम. शरीफ ने बैठक में भाग लिया।

एम. मुहम्मद अली जिन्ना
महासचिव
पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया